यूएनओ ने पहचानी हमारे युवा की काबिलियत

यशवीर को यूएनओ का बुलावा, यूएनओ अपने 8 मिलेनियम डवलपमेंट लक्ष्य हासिल करने में लेना चाहता है यशवीर जैसे युवाओं की मदद

भास्कर न्यूज | पिलानी

बिट्स के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष और पिलानी के यशवीरसिंह संयुक्त राष्ट्र संघ की 8वीं वार्षिक युवा असेंबली में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्यालय न्यूयॉर्क में 19 से 21 जनवरी तक होने वाली इस असेंबली के लिए यशवीर को उनके सामाजिक सरोकारों, भारतीय युवाओं के बीच इंटरप्रिन्योरशिप की संभावनाएं तलाशने में भागीदारी व प्रयासों को देखते हुए चुना गया है। असेंबली में विश्वभर के

करीब 200 युवा हिस्सा लेंगे। ये सभी युवा संयुक्त राष्ट्र संघ के मिलेनियम डवलपमेंट लक्ष्यों के संबंध में अपने विचार व संभावनाएं रखेंगे।

साथ ही अपने देश की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं पर वैश्विक नीतियों तथा साझेदारी बढ़ाने के लिए होने वाली चर्चा में भी इन युवाओं के विचारों को तवज्जो दी जाएगी। असेंबली के दौरान ये युवा भुखमरी, पर्यावरण सहित विश्व के सामने आ रही अन्य समस्याओं पर चर्चा करेंगे। इस दौरान ये प्रतिनिधि यूएनओ सदस्यों, प्रणेताओं, प्रतिनिधियों और उच्चाधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। असेंबली का मुख्य उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र संघ के 8 मिलेनियम डवलपमेंट लक्ष्यों जैसे गरीबी और भूखमरी हटाना, सर्व शिक्षा, शिशु मृत्युदर घटाना, पर्यावरण संरक्षण को विश्वभर में फैलाना तथा उन पर सार्थक काम करना है।

युवा बदल सकते हैं तकदीर

यशवीर असेंबली में 'युवा, विकास और सामाजिक इंटरप्रिन्योरशिप' विषय पर व्याख्यान देंगे। यशवीर का कहना है कि देश में अनेक विकल्प और संभावनाएं है, जिससे संयुक्त राष्ट्र संघ के आठ मिलेनियम डवलपमेंट लक्ष्य आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। भारतीय युवा के सक्षम कंधों में इतनी शक्ति है कि वे देश का भाग्य बदल सकते हैं। केवल उन्हें खुद पर विश्वास करते हुए विभिन्न मसलों पर अडिग रहकर काम करने की जरूरत है। वे अपनी उपलब्धि का श्रेय पिता कर्मवीर भालोठिया, माता शकुंतलादेवी के साथ ही बिट्स के प्राध्यापकों व एनजीओ के सहयोगियों को देते हैं।

सामाजिक सरोकार, इंटरप्रिन्योरशिप

यशवीर ने अपने छात्रसंघ अध्यक्ष के कार्यकाल के दौरान बिट्स में नेशनल सोशल इंटरप्रिन्योरशिप फोरम (एनएसईएफ) बनाया था। यह फोरम भारतीय युवाओं में सामाजिक सरोकार और इंटरप्रिन्योरशिप को बढ़ावा देने में जुटा है। इस फोरम की शाखाएं आईआईटी, आईआईएम और टीआईएसएस जैसे उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में सक्रिय भागीदारी निभा रही है।